

## МУНДАРИЖА

|   |    |
|---|----|
| Шеърятнинг зилол чашмаси.....                       | 3  |
| Ватан.....  | 5  |
| Бағишлов .....                                      | 6  |
| «Жуда чуқур бўлди яралар...».....                   | 7  |
| «Эрта тонг...».....                                 | 8  |
| «Шахмат ўйнар ҳайрона бола...».....                 | 9  |
| Тинчлик қадри .....                                 | 10 |
| Туғилиш.....  | 11 |
| «Соғинтирган ўтган йилларнинг...».....              | 12 |
| «Дунё, кулма менинг устимдан...».....               | 12 |
| «Йиғлаяпман, ёшларимни яширолмайман...».....        | 13 |
| «Чалкаш ва бетиним мисли сояли...».....             | 14 |
| Октябр шеъри.....                                   | 15 |
| «Ёзаяпман, терилар ҳарфлар...».....                 | 15 |
| «Кафтида кўтариб дунё кўшкини...».....              | 16 |
| «Эй шошиб, шошилиб гуллаган бодом...».....          | 17 |
| «Турибман, қаршимда бепоён осмон...».....           | 18 |
| Ялпизларга .....                                    | 19 |
| «Тафтинг билан эрияпти муз юраклар...».....         | 20 |
| «Менга бардош тила, онажон...».....                 | 21 |
| «Дунё дунё бўлгандан бери...».....                  | 22 |
| «Баҳорни кутаман-у, қордан ҳам кечолмайман...»..... | 22 |
| «Баҳорда тўкилган маржон сингари...».....           | 22 |
| Девордаги сурат.....                                | 23 |
| Шарқ тароналари .....                               | 24 |
| «Яна тикиламан атрофга мулзам...».....              | 25 |
| «Тақдир йўлларини тўсди қоялар...».....             | 26 |
| Нуротам .....                                       | 27 |
| Итлар жанги.....                                    | 28 |
| «Деразани уриб шамоллар...».....                    | 29 |
| Ватан.....  | 30 |
| «Уфқ»ни ўқиб.....                                   | 31 |
| Битирувчиларга.....                                 | 32 |
| Ўша менман.....                                     | 33 |

|  |    |
|--|----|
| Жимжитлик .....                              | 34 |
| Баҳор соғинчи .....                          | 35 |
| «Йиллар ўтар, ўтар одамлар...» .....         | 36 |
| Туртки .....                                 | 37 |
| Кузга эсдалик .....                          | 38 |
| Бахт формуласи .....                         | 39 |
| Она тилим .....                              | 40 |
| Томиримдаги қоним .....                      | 41 |
| Ватаним .....                                | 42 |
| Тонгги театр .....                           | 42 |
| «Осмонгамас, ерга боқ, дўстим...» .....      | 43 |
| «Тонгда шошаяпман нурли манзилга...» .....   | 44 |
| Болалик .....                                | 45 |
| Ҳақиқат .....                                | 46 |
| Кўнгил обод – юрт обод .....                 | 47 |
| Онажон .....                                 | 48 |
| Имтиҳон .....                                | 49 |
| «Қушлар айтди кеча оқшомда...» .....         | 50 |
| Ўхшайди баҳор .....                          | 51 |
| Тилак .....                                  | 52 |
| Жияним Элнурга .....                         | 53 |
| «Хотира йўқолмас, у тирик дафтар...» .....   | 54 |
| «Сен кўнглим нидоси, гул-чечагисан...» ..... | 55 |
| «Айланар она ер, айланар замин...» .....     | 55 |
| Ўйлар .....                                  | 56 |